Bachelor of Arts (B.A.)

Department of Hindi

Programme Outcomes (POs)

After completing B. A. degree programme, students will be able to:

PO 1: Realize and follow eternal human values.

PO 2: Become a responsible and dutiful citizen.

PO 3: Acquire scientific temperament and ability to think logically.

PO 4: Nurture creativity in arts as well as in day-to-day life.

PO 5: Get well acquainted with the social, economic, political, historical and Geographical facts and trends in India as well as in the world.

PO 6: Get acquainted with and respect the common cultural heritage of pluralism and mutual respect.

PO 7: Respect core constitutional values like equality, social justice secularism and scientific approach.

PO 8: Prepare for and qualify all types of competitive examinations after graduation.

PO 9: Take keen interest in language and literature, both regional and global.

PO 10: Acquire basic language skills like listening, speaking, reading and writing.

PO 11: Communicate thoughts and ideas fluently and effectively in formal and Informal situations.

P.P. Swami Vivekanand Sevashram Sanstha, Shirala's

VISHWASRAO NAIK ARTS, COMMERCE & BABA NAIK SCIENCE MAHAVIDYALAYA, SHIRALA

Tal.: Shirala, Dist.: Sangli, Maharashtra - 415408

(Affiliated to Shivaji University, Kolhapur.)

(JUNIOR/SENIOR)

NAAC GRADE - 'B'

EST : JUN-1970

Junior College Code : 15
Junior College No. J-22-09-001
UDISE No.: 27350713220

Principal : Dr. R. B. Bansode
M.A., M.Phil., Ph.D.

(02345) 272107 vishwasraonaik@rediffmail.com www.vnbnmshirala.org

Out Ward No. V.N.M. / /   Date : / / 20

Program Specific Outcomes (PSOs)

B. A. I Year Hindi Optional

साहित्य जगत, हिंदी गद्य साहित्य प्रश्नपत्र 1 और 2

Co1 : छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं का परिचय हुआ।
CO2 : दिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से छात्र प्रभावित हुए।
CO3 : हिंदी भाषा के श्रवण पठण एवं लेखन कौशल छात्रों में विकसित हुआ।
CO5 : निबंध, कहानी, एकांकी, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास हुआ।
CO6 : नैतिक मूल्या, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था छात्रों में निर्माण हुई।
CO7 : राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापनाएवे सामाजिक प्रतिबद्धता छात्रों में जागृत हुई।
CO8 : छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढावा मिला।

B. A. II Year Hindi Optional

प्रश्नपत्र – 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य याहित्य

CO9 : छात्रों को कथा साहित्य का परिचय हुआ।
CO10 : छात्र कथा साहित्य के स्वरूप तत्व एवं प्रकारों से अवगत हुए।

CO11 : छात्रों को समीक्षा मानदंड के आधारपर कथासाहित्य का अकलन हुआ।
CO12 : छात्रों को कथेत्ता साहित्य का समीक्षात्मक परिचय हुआ।
CO13 : छात्र कथेतर साहित्य के स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों से अवगत हुए।
CO14 : छात्रों को कथा और कथेतर साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान प्राप्त हुआ।

प्र□नपत्र 4 हिंदी संत काव्य तथा राश्ट्रीय काव्य धारा

CO15 : हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रूची बढ गई।
CO16 : छात्रों को कथा साहित्य की विविध विधाओं का परिचय हुआ।
CO17 : मध्यकालीन हिंदी कवियों के परिचय से छात्र प्रभावित हुए।
CO18 : छात्रों को नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व का परिचय हुआ।
CO19 : छात्र अधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध वमर्ष से अवगत हुए।
CO20 : हिंदी संत काव्य से छात्रों का परिचय हुआ।

प्र□नपत्र 5 – रोजगार परक हिंदी

CO21 : छात्रों में हिंदी में कार्य करने की क्षमता, कल्पना एवं रूचि विकसित हुई
CO22 : छात्रों में रोजगारोन्मुख शिक्षा व कौशल का विकास हुआ।
CO23 : पत्राचार के स्वरूप का परिचय छात्रों को हुआ।
CO24 : छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण, व लेख कौशल का निर्माण हुआ।
CO25 : छात्रों का व्यवहारिक हिंदी से परिचय हुआ।
CO26 : रोजगारोन्मुख क्षेत्र से छात्रों का परिचय हुआ।

प्र□नपत्र 6 – अस्मितामूलक विम□ी और हिंदी पद्‌य साहित्य

CO27 : छात्र हिंदी कवियों से परिचित हुए।
CO28 : छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण व लेखन को बढावा मिला।
CO29 : छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि निर्माण हुई।
CO30 : छात्रों को नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई।
CO31 : साहित्य की विविध पद्‌य विधाओं को छात्रों को परिचय हुआ।
CO32 : छात्रों को साहित्य की विविध पद्‌य विधाओं का परिचय हुआ।
CO33 : आधुनिक हिंदी पद्‌य में चित्रित विविध विमर्शों से छात्र अवगत हुए।

B.A III Year Hindi (Speial)

प्रश्नपत्र VII & XII – विधा विशेष का अध्ययन

पाठ्‌यपुस्तक 'दिल्ली ऊंचा सुनती है' (नाटक) – कुसुम कुमार, 'अंतिम साक्ष्य (उपन्यास) – चंद्रकांता
CO34 : नाटककार कुसुम कुमार की बहुमुखी प्रतिभा से तथा उनके साहित्य से छात्र परिचित हुए।
CO35 : नाटककार कुसुम कुमार की विचारधारा से छात्र प्रभावित हुए।
CO36 : नाटककार कुसुम कुमार के निर्धारित ग्रंथ का आलोचनात्मक अध्ययन हुआ।
CO37 : नाटककार के रूप में कुसुम कुमार का साहित्यिक स्थान निश्चित किया।

CO38 : उपन्यासकार चंद्रकांता के बहुमुखी प्रतिभासे छात्र परिचित हुए।
CO39 : चंद्रकांत के विचारों से छात्र प्रभावित हुए।
CO40 : छात्रों ने चंद्रकांता के निर्धारित ग्रंथ का आलोचनात्मक अध्यन किया।
CO41 : उपन्यास के रूप में चंद्रकांता का साहित्यिक स्थान निर्धारित किया गया।

प्रश्नपत्र VIII & XIII – साहित्यशास्त्र

CO42 : साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया से छात्र ज्ञात हुए।
CO43 : साहित्य के विभिन्न अंगों, भेदों से छात्रों का परिचय हुआ।
CO44 : साहित्य की नवीन विधाओं से छात्र अवगत हुए।
CO45 : समीक्षासिद्धांतों का छात्रों को ज्ञान हुआ।
CO46 : छात्रों को साहित्य के तत्वों की जानकारी हुई।
CO47 : अंलंकारों एवं छंदों से छात्रों का परिचय हुआ।

प्रश्नपत्र IX & XIV – हिंदी साहित्य का इतिहास

CO48 : हिंदी भाषा तथा साहित्य से छात्रों का परिचय हुआ।
CO49 : हिंदी साहित्य की विकास यात्रा से छात्र परिचित हुए।
CO50 : हिंदी साहित्य की विकास यात्रा में विभिन्न विचारधारा एवं प्रवृत्तियों से छात्र परिचित हुए।
CO51 : साहित्य समझने, उसका अस्वादन करने की क्षमता छात्रों में आ गई।
CO52 : साहित्य के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं कें विकास क्रम की छात्रों को जानकारी हुई।
CO53 : युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों का छात्रों को परिचय हुआ।

प्रश्नपत्र X & XV – प्रयोजन मूलक हिंदी

CO54 : हिंदी में कार्य करने की रूचि छात्रों में विकसित हो गई।
CO55 : रोजगारोन्मुख शिक्षा तथा कौशल का विकास हुआ।
CO56 : पारिभाषिक शब्दावली से छात्र परिचित हुए।
CO57 : सरकारी पत्राचारों के रूपों की जानकारी छात्रों को मिली।
CO58 : जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से छात्र परिचित हुए।
CO59 : अनुवाद स्वरूप, महत्व व उपयोगिता का छात्रों को परिचय हुआ।
CO60 : रोजगारपरक हिंदी की उपयोगिता छात्रों में स्पष्ट हुई।

प्रश्नपत्र XI & XVI – भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

CO61 : भाषा के विविध रूपों का छात्रों को ज्ञान प्राप्त हो गया।
CO62 : हिंदी भाषा के व्याकरण से छात्र अवगत हुए।
CO63 : छात्रों को भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय प्राप्त हुआ।
CO64 : छात्रों को हिंदी भाषा, लिपि के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त हुआ।
CO65 : भाषा की शुद्धता के प्रति छात्र जागरूक हुए।
CO66 : मानक हिंदी वर्तनी से छात्र आवगत हुए।
CO67 : भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय छात्रों को प्राप्त हुआ।